अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में टूना निर्यात केंद्र

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में मत्स्य विभाग ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को टूना निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है।

- वैश्विक टूना बाज़ार का मूल्य 41.94 बिलियन अमेरिकी डॉलर है और **हिंद महासागर** को **दूसरा सबसे बड़ा टूना क्षेत्र** माना जाता है, जो **विश्व का 21% टूना** उत्पादित करता है।
  - समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के अनुसार , 2023-24 में भारत का टूना निर्यात 31.83% बढ़ा (मूल्य 87.96 मिलियन अमेरिकी डॉलर)।
- बाज़ार में अधिकांश हिस्सेदारी चार टूना प्रजातियों की है, अर्थात् **स्किपजैक**, **येलोफिन**, **बिगआई** और **अल्बाकोर**।
  - अपने संवहनी तंत्र के कारण, ट्यूना अपने शरीर के तापमान को आसपास के जल के ऊपर, प्रायः 5 से 12 °C (परिवेश के तापमान से अधिक) के बीच बनाए रख सकती हैं।
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह:**
  - इसमें दो द्वीप समूह (अंडमान द्वीप समूह और निकोबार द्वीप समूह) शामिल हैं जो पूर्व में **अंडमान सागर को हिंद महासागर से अलग करते हैं।**
  - **दस डिग्री चैनल** एक संकीर्ण जलडमरूमध्य है जो दोनों द्वीप समूहों को अलग करता है।
    - **इंदिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप पर स्थित) निकोबार द्वीप समूह का सबसे दक्षिणी छोर है।**
  - ANI 5 विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों का घर है : ग्रेट अंडमानी, जारवा, ओंगेस, शोम्पेंस और उत्तरी सेंटिनलीज।

//

और पढ़ें: [अंडमान और निकोबार द्वीप समूह समुद्री और स्टार्टअप हब बनेगा](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tuna-export-hub-in-andaman-nicobar-islands